00247

POST GRADUATE CERTIFICATE IN BENGALI - HINDI TRANSLATION PROGRAMME (PGCBHT)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2010

एम.टी.टी.-002 : बांग्ला-हिन्दी अनुवाद : तुलना और पुनर्सृजन

समय : 3 घंटा | *अधिकतम अंक : 100*

नोट : ***सभी*** *प्रश्नों के उत्तर देने हैं।*

1. ***किन्हीं दो*** का उत्तर लगभग *300* शब्दों में दीजिए । **10x2=20**

   (a) हिंदी और बांग्ला भाषा के बीच किस तरह की समानताएँ और असमानताएँ हैं?

   (b) बांग्ला और हिंदी का साहित्यिक-सांस्कृतिक परंपरा की निकटता पर प्रकाश डालिए।

   (c) बांग्ला और हिंदी के बीच संबंधों की परंपरा पर एक लघु निबंध लिखिए।

2. निम्नलिखित बांग्ला शब्दों का हिंदी पर्याय लिखिए : **5**

প্রতি মুহূর্তে	ভাবলেন
যুদ্ধ জাহাজ	প্রখানঝর
পদক্ষেপ	গুরুত্বপূর্ণ
প্রথমত	মার্চ
উদ্বোধন	অনেকখানে

3. निम्नलिखित हिंदी शब्दों का बांग्ला पर्याय लिखिए : 5

आसमान	विपक्ष
आधिकारिक	बेवकूफ
बयान	हस्तशिल्प
पड़ोसी	बाद में
आधा	जल्दी

4. निम्नलिखित कहावतों - मुहावरों में से ***किन्हीं पाँच*** का हिंदी अनुवाद करते हुए उनका वाक्य में प्रयोग करें। 10

- एक ढिले दुई पाखी मारा
- एक हाते तालि बाजे ना
- कान पातला हओया
- आगुन भक्षण करा
- तिन हात चादर दिये कि चार हात बिछाना ढाका याय
- शिमुल फुल
- खिचुड़ि पाकानो
- भूतेर मुखे रामनाम

5. निम्नलिखित अंशों में से ***किन्हीं तीन*** का हिंदी अनुवाद कीजिए : **15x3=45**

(a) आमरा जानि जल ना हले मानुष, जीवजन्तु, गाछपाला आर फसल किछुई बाँचते पारे ना। कयेकदिन खाओया ना हलेओ बाँचा याय किन्तु कयेकदिन जल ना खेले बाँचा प्राय असम्भव। खरार समय की अवस्था हय ता तो तोमादेर मध्ये यारा ग्रामे थाक तारा भालोभावेई जान। खरा काके बले ? वृष्टि ना हओयार फले जलाशयेर जल शुकिये याय एवं नदीर जल कमे याय, तार फले, देखा देय जलेर जन्य हाहाकार। एই

জলের অভাবে জমি হয় ফুটিফাটা, গাছ তার সজীবতা হারিয়ে হয়ে যায় শুকনো, পাতা ঝরে গাছাপালা ন্যাড়া হয়ে দাঁড়িয়ে থাকে, জমির ফসল আগুনে পুড়ে গেলে যেভাবে নষ্ট হয়ে যায় খরা হলে ঠিক তাই হয়। গোরু-ছাগল ইত্যাদি পশু, মানুষ মারা যায়। এই জন্যেই জলের আর এক নাম জীবন।

এখন জানা দরকার জল আমরা পাই কোথা থেকে ? পাচ্ছি জমির উপর বয়ে যাওয়া নদী, জলাশয়, হ্রদ আর বৃষ্টির জল থেকে। আর হল মাটির তলার জল। বৃষ্টির জলে নদী ভরে ওঠে। আমরা নদীতে বাঁধ দিয়ে সেখান থেকে খাল, নালা কেটে নদীর জল নানাদিকে ছড়িয়ে দিয়ে কাজে লাগাই। এছাড়া বৃষ্টির জল পুকুরে জমিয়ে রেখে এবং কুয়ো, নলকূপ আর গভীর নলকূপ তৈরি করে মাটির নিচের জল তুলে আমরা ব্যবহার করি।

(b) **বিধ্বংসী মোরাকোট**

প্রবল ধূর্ণিঝড় ও ভারী বৃষ্টিপাতসহ পূর্ব চিনের উপকূল বিধ্বস্ত করে তুলল টাইফুন মোরাকোট। ঘণ্টায় ১১৮ কিলোমিটার গতিবেগে আছড়ে পড়ে এই ঝড়। যদিও ঝড় আসার প্রায় সাড়ে ন'লক্ষ মানুষকে নিরাপদ জায়গায় সরিয়ে নেওয়া হয়। ফুজির উপকূলবর্তী এলাকায় ঘূর্ণিঝড়ে প্রায় তিনশো বাড়ি ভেঙেছে, প্লাবিত হয়েছে প্রায় ১,৬০০ হেক্টর অঞ্চল, সড়কপথ বন্ধ। উত্তর তাইওয়ানকেও ছুঁয়ে গিয়েছে মোরাকোট। এর দাপটে সেখানে হয়েছে প্রবল বৃষ্টিপাত, বিগত পঞ্চাশ বছরে এত ভারী বৃষ্টি হয় নি তাইওয়ানে। প্রবল জলস্রোতে তাইতুং কাউণ্টির চিহপেন এলাকায় ছ'তলা একটি হোটেল ভেঙে পড়ে নদীতে। তার আগেই অবশ্য হোটেলের প্রায় তিনশো অতিথি ও কর্মীদের নিরাপদ জায়গায় সরিয়ে নিয়েছিল প্রশাসন।

(c) **ইন্দ্রপতনের আশঙ্কা !**

বিশ্বকাপে মেসিতেভেজ-রোনাল্ডো-অঁরিকে কি সত্যিই দেখা যাবে না ?

নেলসন হায়েদো বালদেজ কি অজান্তেই লক্ষ-লক্ষ ফুটবলভক্তের হৃদয় ভাঙলেন ? ২০১০-এর বিশ্বকাপের যোগ্যতা নির্ণায়ক পর্যায়ে প্যারাগুয়ের ভালদেজের গোল তাঁর দলকে শুধু বিশ্বকাপের মূলপর্বে তুলে দিল না, আর্জেন্টিনাকে ঠেলে দিল একরাশ অনিশ্চয়তার মধ্যে। ১৯৭৪ থেকে ২০০৬, টানা ন'টি বিশ্বকাপের মূলপর্বে খেলেছে আর্জেন্টিনা, কিন্তু দক্ষিণ আফ্রিকা ২০১০ এখনও দূর অস্ত। আর্জেন্টিনাই একমাত্র নয়, বিশ্বকাপের মূলপর্বে খেলার ছাড়পত্র এখনও পায়নি ১৯৯৮-এর চ্যাম্পিয়ন ফ্রান্স, ক্রিশ্চিয়ানো রোনাল্ডোর পর্তুগাল। দক্ষিণ আমেরিকা থেকে মোট চারটি দেশ সোজাসুজি বিশ্বকাপের মূলপর্বে স্থান পাবে, পঞ্চম দেশটিকে উত্তর এবং মধ্য আমেরিকা এবং ক্যারিবিয়ান জোনের চতুর্থ স্থানাধিকারী দলটির সঙ্গে 'হোম অ্যান্ড অ্যাওয়ে' ভিত্তিতে প্লে অফ খেলতে হবে। ব্রাজিল এবং দ্বিতীয় স্থানে থাকা প্যারাগুয়ে ইতিমধ্যেই বিশ্বকাপে খেলার ছাড়পত্র পেয়ে গিয়েছে, তৃতীয় এবং চতুর্থ স্থানে যথাক্রমে রয়েছে চিলি এবং ইকুয়েডর। আর্জেন্টিনা পঞ্চম।

(d) ১৯২২ সালের ১৪ই এপ্রিল কুমিল্লার, শিবপুর গ্রামে জন্ম আলি আকবরের। তিন বছর বয়সে সঙ্গীতশিক্ষার শুরু। প্রথমে বাবার কাছে শিখতেন কণ্ঠসঙ্গীত, আর কাকা ফকির আফতাবউদ্দিনের কাছে তালবাদ্য। পরে সরোদেই একনিষ্ঠ হন আলি আকবর। ক্রমে পঁচিশ তারের যন্ত্রটির সঙ্গে সমার্থক হয়ে ওঠে তাঁর নাম। ১৩ বছর বয়সে ইলাহাবাদে প্রথম

অনুষ্ঠান করেন। আর যখন কুড়িতে পৌঁছলেন,ততদিনে প্রকাশিত হয়ে গিয়েছে তাঁর প্রথম গ্রামোফোন রেকর্ড। পরের বছরেই তিনি যোধপুরে রাজসভার শিল্পী হন। '৫৫ সালে মেনুহিনের আমন্ত্রণে আমেরিকা সফর করেন। বাজিয়েছিলেন নিউ ইয়র্কের মিউজিয়াম অফ মর্ডান আর্টে। পরে ভারতের স্বাধীনতার ৫০ বছর উপলক্ষে রাষ্ট্রপুঞ্জে আয়োজিত অনুষ্ঠানেও বাজিয়েছিলেন তিনি।

'৫৬ সালে কলকাতায় প্রতিষ্ঠা করেন 'আলি আকবর কলেজ অফ মিউজিক'। পরে সেই কলেজের শাখা খোলেন আমেরিকা ও সুইজারল্যাণ্ডে। তার আগে. ৬৫' সাল থেকেই আমেরিকায় নিয়মিত শিক্ষাদান শুরু করেছিলেন আলি আকবর। সান রাফেলের সেই শিক্ষা কেন্দ্রই ছিল তাঁর শেষ ঠিকানা। পাঁচ দশকের বিশ্ববন্দিত সঙ্গীতজীবনে অসংখ্য উজ্জ্বল অনুষ্ঠানের পাশাপাশি কয়েকটি চলচ্চিত্রেও সঙ্গীত পরিচালনা করেছেন আলি আকবর। তার মধ্যে আছে সত্যজিৎ রায়ের 'দেবী', তপন সিংহের 'ক্ষুধিত পাষাণ', বার্তোলুচির 'লিটল বুদ্ধ', আইভরি মার্চেন্টের 'হাউস হোল্ডার্স' এবং চেতন আনন্দের 'আঁধিয়া'।

উস্তাদ আমজাদ আলি খানের স্মৃতিচারণ।

(e) রেডিও আসার আগের পৃথিবীটা কেমন ছিল সেটা হয়তো তবু ভাবা যেতে পারে, কিন্তু ইন্টারনেটের আগের পৃথিবী আজ বোধহয় কল্পনা করা কঠিন। মাত্র সাড়ে চার কোটি ভারতবাসী ইন্টারনেট ব্যবহার করেন, এটা মেনে নিয়েই বলছি। চল্লিশ বছর বয়স হল ইন্টারনেটের। চালশের প্রশ্নই ওঠে না,

কারণ ইন্টারনেটের দিগ্বিজয়ের দিকে খেয়াল রাখছেন যাঁরা, তাঁদের মতে এ হল এই প্রযুক্তির কৈশোর। কৈশোরের যাবতীয় চপলতা, অস্থিরতা, বেপরোয়া দুঃসাহস সবকিছুই পাওয়া যাবে এতে। সেখানেই এর জোর, এর দুর্বলতাও।

যে - ধাত্রীদের হাতে এর জন্ম, সেই কমপিউটার-বিজ্ঞানীদের কেউই সেদিন ভাবতে পারেন নি ইন্টারনেটের ভূগোল কোনওদিন এমনই পৃথিবী-ছাপানো হয়ে উঠবে। এমন কী স্পেস শাট্‌লে বসে টুইটারে বার্তা পাঠাবেন মহাকাশচারীরাও। ঠিক এখানেই- এই ব্লগ, চ্যাট, নিউজগ্রুপ ইত্যাদি এবং টুইটার-অর্কুট-ফেসবুকের মতো সোস্যাল নেটওয়ার্কিং সার্ভিসের মধ্যেই খুঁজে নিতে হবে আজকের ইন্টারনেটের মজ্জা। বিশেষ বিশেষ বিষয় ধারণ করে থাকা ওয়েবসাইটগুলি তো আছেই, সেই সঙ্গে দুষ্প্রাপ্য বই, প্রবন্ধ ইত্যাদি সরাসরি পড়তে দিয়ে বা হদিশ এনে দিয়ে গুটেনবার্গ প্রোজেক্ট, গুগুল বুকস,গুগল স্কলার হয়ে উঠেছে আজকের জ্ঞানচর্চার অপরিহার্য অঙ্গ। জন্ম নিয়েছে উইকিপিডিয়ার মতো বিশ্বকোষ, যা ক্রমশই বেড়ে চলেছে, যার পাঠকরাই তার লেখক, সংশোধক। দক্ষ সাংবাদিক, বিশ্লেষক, প্রাবন্ধিকের নিজস্ব ব্লগের চমৎকারিত্বের কাছে প্রায়ই নাকি হেঁট হয়ে পড়ছে, আমেরিকা-ইওরোপের কর্পোরেট মিডিয়া প্রতিষ্ঠানগুলি। গুগল আর্থ, গুগল স্কাই আজ পায়ের নীচে মাটি আর মাটির ওপরের আকাশকে পেতে দিয়েছে বইয়ের পাতার মতো। ই-কমার্স, ই-মেল ইত্যাদি গুরুত্বপূর্ণ কেজো বিষয়গুলির কথা বলাই বাহুল্য।

6. निम्नलिखित में से ***किसी एक*** अंश का बांग्ला में अनुवाद कीजिए : 15

(a) रंगमंच पर मुखौटों का प्रयोग आरंभ में सामान्य भावों की अभिव्यक्ति के लिए किया जाता था या मिथ या प्रतीक के रूप में इसका प्रयोग होता था। कालांतर में चरित्र निर्माण और नाटकीय यथार्थ उत्पन्न करने या नाटकीय प्रभाव को तीव्र करने के लिए मुखौटों का प्रयोग होने लगा। आरंभिक नाटक पौराणिक और मिथकीय होते थे, जहाँ पशु-पक्षी, परी, दानव जैसे मानवेतर पात्रों की उपस्थिति थी। नाट्य प्रयोक्ताओं ने ऐसे मानवेतर प्राणियों के लिए मुखौटों का प्रयोग किया। पारंपरिक रंगमंच पर भी मुखौटा ज़्यादातर इन्हीं अर्थों के साथ है लेकिन समकालीन प्रयोगधर्मी रंगमंच पर मुखौटों के प्रयोग का आयाम व्यापक है।

अनुभूति और संप्रेषण रंगमंच का प्रमुख तत्त्व है, जो किसी-न-किसी यथार्थ को अभिव्यक्त करता है। आधुनिक सौन्दर्यशास्त्रियों की राय में यथार्थ की तद्वत् पहचान संभव नहीं है, जब तक कि हम उसे किसी ऐसे माध्यम से न समझें या ग्रहण करें जो संप्रेष्य हो। अर्थात् हमारा जाना गया यथार्थ माध्यम से रूपांतरित यथार्थ होता है। मुखौटा भी रंगमंच पर ऐसे ही यथार्थ को रूपांतरित कर हम तक पहुँचाता है।

(b) **वेलेंटाइन डे के दिन भारत मनाएगा 'बाघ दिवस'**

वाशिंगटन। पर्यावरण मंत्री जयराम रमेश ने घोषणा की है कि बाघों के संरक्षण के लिहाज से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान आकर्षित करने के लिए भारत अगले साल वेलेंटाइन डे पर 'बाघ दिवश' की शुरूआत करेगा।

शुरूआत जिम कॉरबेट नेशनल पार्क से की जाएगी। स्मिथसोनियान संस्थान में आयोजित एक बैठक में इस संबंध में भारत के प्रस्ताव को स्वीकार किया गया। बैठक में विश्व बैंक सहित कई एजेंसियाँ शामिल हुईं रमेश ने कहा, भारत ने 14 फरवरी 2010 से कॉरबेट में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बाघ दिवस शुरू करने का प्रस्ताव रखा। इसका समापन नवंबर 2010 में रणथंभौर नेशनल पार्क में होगा। ये आयोजन दर्शाएंगे कि भारत बाघ संरक्षण के क्षेत्र में क्या कर रहा है।